वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड समाचार

हमारे लोग, हमारी ताकत

दिनांक : 31 मार्च, 2024

अंक : 497

वेकोलि ने किया अब तक का सर्वाधिक कोयला उत्पादन, डिस्पैच एवं ओबीआर

सीएमडी श्री जे. पी. द्विवेदी ने टीम वेकोलि को कार्यक्रम 'रू-ब-रू' के माध्यम से किया संबोधित – उपलब्धियों के लिए दी बधाई

वेकोलि ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में कोयला उत्पादन, डिस्पैच एवं ओबीआर में अपने पुराने सारे रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए, ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में वेकोलि ने कोयला उत्पादन के निर्धारित 68 मिलियन टन के लक्ष्य को पार करते हुए 69.11 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया है। कोयला उत्पादन में वेकोलि ने गत वर्ष की तुलना में 7.5% की वृद्धि हासिल की है।

कोयला प्रेषण में भी वेकोलि ने नया रिकॉर्ड कायम किया है। वर्ष 2023-24 के अपने लक्ष्य को पार करते हुए वेकोलि ने 70.20 मिलियन टन कोयला प्रेषण किया है। यह गत वर्ष से 12.9 % अधिक है।

वर्ष 2023-24 में वेकोलि ने ओबीआर के पुराने सारे रेकॉर्ड तोड़ते हुए, 410.8 मिलियन क्यूबिक मीटर ओबी निष्कासन किया है। यह वर्ष 2023-24 के निर्धारित लक्ष्य से 51.8 मिलियन क्यूबिक मीटर अधिक है। गत वर्ष की तुलना में ओबी निष्कासन में वेकोलि ने 25 % की वृद्धि हासिल की है।

दिनांक 01.04.24 को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (वेकोलि) के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री जे. पी. द्विवेदी ने कार्यक्रम 'रू-ब-रू' के माध्यम से टीम वेकोलि के साथ सीधा संवाद किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वेकोलि ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में, कम्पनी के स्थापना-काल से अब तक का सर्वाधिक कोयला-उत्पादन, डिस्पैच एवं ओवर बर्डन निष्कासन किया है। उन्होंने इन उपलब्धियों के लिए टीम वेकोलि को बधाई दी।

उन्होंने आगे कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में वेकोलि ने पॉवर प्लांट को 60.05 मिलियन टन कोयला डिस्पेच किया है। यह अब तक का सर्वाधिक एवं गत वर्ष की तुलना में 7.1 % अधिक है। इसी प्रकार रेल मोड से किया जाने वाला कोयला प्रेषण भी अब तक का सर्वाधिक 39.16 मिलियन टन है। यह गत वर्ष से 16.4 % अधिक है।

उन्होंने कहा कि वेकोलि में यह ऐतिहासिक वृद्धि अनेक सकारात्मक पहल का प्रतिफल है। उन्होंने खनन कार्य में सुरक्षा के महत्व को उजागर करते हुए कहा कि कोयला खनन प्रक्रिया को अधिक कारगर एवं सुरक्षित बनाने हेतु वेकोलि द्वारा कंटीन्युअस माइनर एवं सरफेस माइनर जैसी नई तकनीक को वृहद् तौर पर अपनाया जा रहा है। वेकोलि में 4 अतिरिक्त सरफेस माइनर तथा योजनाबद्ध अंतराल में 21 नए कन्टिन्युयस माइनर लगाने की योजना है। उन्होंने कहा कि कोयला प्रेषण की प्रक्रिया में गति लाने की दृष्टि से उमरेड क्षेत्र के एमकेडी-III एवं वणी क्षेत्र की मुंगोली खदान में फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट का कार्य तेजी से किया जा रहा है तथा बल्लारपुर क्षेत्र की सास्ती खदान के लिए भी फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट की स्वीकृति दी गई है।

इस वर्ष कम्पनी के उत्पादन में वणी क्षेत्र का सबसे ज्यादा 16.41 मिलियन टन कोयले का योगदान रहा। इसी प्रकार उमरेड क्षेत्र का 13.55 मिलियन टन और बल्लारपुर क्षेत्र का 10.47 मिलियन टन कोयला-उत्पादन का उल्लेखनीय योगदान रहा।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के ऐतिहासिक वृद्धि से उत्साहित टीम वेकोलि ने नए वित्तीय वर्ष का लक्ष्य भी निर्धारित कर लिए है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कोयला उत्पादन का लक्ष्य 69 मिलियन टन तय किया गया है।

श्री बिक्रम घोष वेकोलि के नए निदेशक (वित्त) – वेकोलि मुख्यालय में किया पदभार ग्रहण

वित्तीय प्रबंधन के विशेषज्ञ के रूप में पहचान रखने वाले श्री बिक्रम घोष ने वेस्टर्न कोल्फ़ील्ड्स लिमिटेड में निदेशक (वित्त) के तौर पर पदभार ग्रहण किया। इसके पूर्व वे कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी बीसीसीएल में महाप्रबंधक (वित्त) के पद पर कार्यरत थे। उन्हें बीसीसीएल में वित्तीय प्रबंधन का 28 वर्षों से अधिक का दीर्घ अनुभव हासिल है।

श्री घोष ने 1992 में आईसीएमए की डिग्री हासिल करने के उपरांत, लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया में अपने करियर की शुरुआत की। वर्ष 1996 में, बीसीसीएल में वित्त अधिकारी के तौर पर वे कोयला उद्योग से जुड़े। इन वर्षों में श्री घोष ने बीसीसीएल के पांच क्षेत्रों एवं मुख्यालय में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएँ दी। वित्तीय प्रबंधन की विभिन्न शाखाओं जैसे खरीदारी, अनुबंध, लेखा, कर, निधि, लागत प्रबंधन और भुगतान प्रौद्योगिकी में श्री घोष को उत्कृष्टता हासिल है।

बीसीसीएल को बीआईएफआर से बाहर निकालने तथा कोयले की कीमतों में सुधार लाने में उनकी विशेष भूमिका रही है। बीसीसीएल के वित्तीय गतिविधियों का पुनर्गठन करने तथा विभिन्न इकाइयों का विलय कर के कंपनी के लागत को कम करने जैसे महत्वपूर्ण गतिविधियों में उनके नेतृत्व का सार्थक योगदान रहा है। कंपनी में आधुनिक भुगतान गेटवे तथा एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग सॉफ्टवेअर के क्रियान्वयन में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

वेकोलि में पदभार ग्रहण करने पर श्री बिक्रम घोष ने सीएमडी श्री जे. पी. द्विवेदी एवं निदेशक तकनीकी (संचालन / योजना एवं परियोजना) श्री ए. के. सिंह से भेंट की। उन्होंने ने श्री घोष का हार्दिक स्वागत करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी।

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री जे. पी. द्विवेदी रहे उमरेड क्षेत्र के दौरे पर

वेकोलि के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री जे. पी. द्विवेदी ने दिनांक 16.03.2024 को निदेशक (तकनीकी) संचालन तथा योजना एवं परियोजना श्री ए. के. सिंह के साथ वेकोलि के उमरेड क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने फर्स्ट माईल कनेक्टिविटी परियोजना की स्थिति की समीक्षा की तथा एमकेडी-3 खदान में नई वातानुकूलित कैंटीन का उद्घाटन किया । उन्होंने मकरधोकड़ा के उप-क्षेत्रीय कार्यालय का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कामगारों को श्री द्विवेदी तथा श्री सिंह ने सम्मानित किया। इस अवसर पर उमरेड क्षेत्र के महाप्रबंधक श्री साबिर, सीएमडी के तकनीकी सचिव श्री तरूण श्रीवास्तव तथा महाप्रबंधक (सिविल) श्री बी. के. श्रीवास्तव प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

वेकोलि द्वारा अन्नामृत फाउंडेशन को 1000 इंसुलेटेड कंटेनर प्रदान किए गए

वेकोलि द्वारा अपने सीएसआर मद के अंतर्गत अन्नामृत फाउंडेशन के केंद्रीकृत रसोई के लिए 1000 इंसुलेटेड कंटेनर प्रदान किए गए। दिनांक 29.03.2024 को एक विशेष आयोजन में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री जे. पी. द्विवेदी के हस्ते यह इंसुलेटेड कंटेनर दिए गए।

उल्लेखनीय है कि 1 नवंबर, 2023 को डब्ल्यूसीएल और अन्नामृता फाउंडेशन, नागपुर के बीच केंद्रीकृत रसोई के लिए 1000 इंसुलेटेड कंटेनर प्रदान करने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। अन्नामृत फाउंडेशन द्वारा नागपुर के सरकारी अस्पतालों, एम्स और राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज कैंसर अस्पताल आदि में मरीजों तथा उनके रिश्तेदारों को मुफ्त भोजन दिया जाता है। इस पुनीत कार्य में वेकोलि द्वारा सीएसआर के अंतर्गत अपना योगदान किया गया है।

अन्नामृत फाउंडेशन के डॉ. श्यामसुंदर शर्मा, श्री प्रवीण साने तथा श्री राजेंद्रन रमण ने इस मदद के लिए वेकोलि का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (सीएसआर) श्री ए. के. सिंह तथा उनकी टीम प्रमुखता से उपस्थित थी।

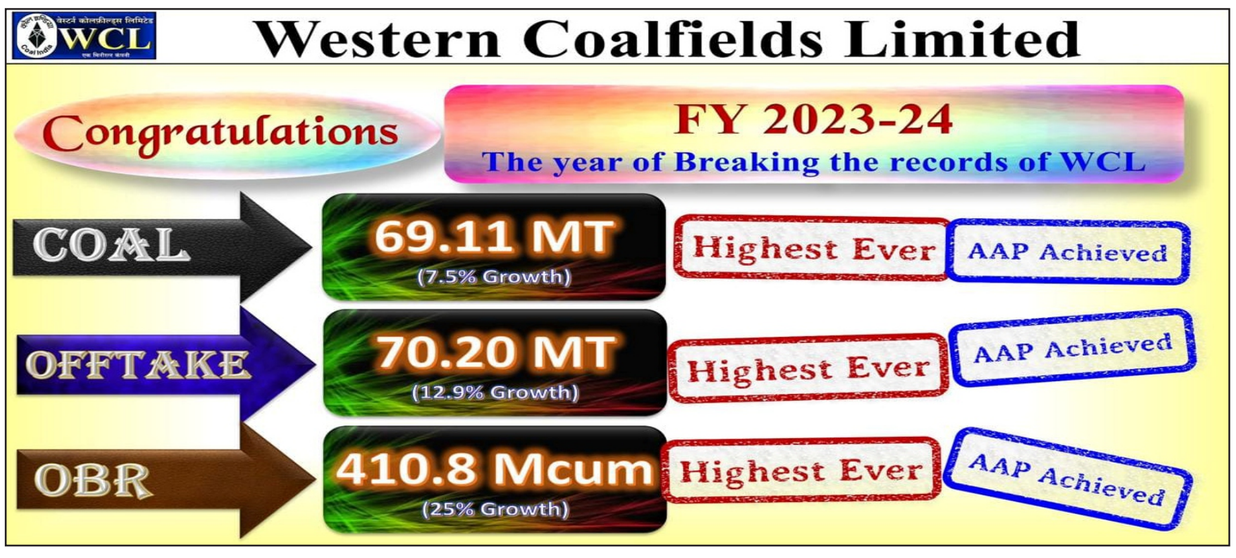

वेकोलि ने सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लास रूम उपकरण उपलब्ध कराए

सीएसआर के तहत वेकोलि के पेंच क्षेत्र ने आसपास के आदिवासी गांवों के पांच सरकारी स्कूलों को 10.50 लाख रूपए कीमत के स्मार्ट क्लास रूम उपकरण उपलब्ध कराए हैं। वेकोलि की इस पहल से लगभग 700 आदिवासी छात्रों को अपने शैक्षिक मानकों को ऊपर उठाने में मदद मिलेगी। मरई, छिंदा, बाघबर्डिया, झुंरे, उर्धन गांवों के प्रत्येक स्कूल को एक-एक स्मार्ट क्लास रूम उपकरण दिया गया है।